प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

Sample Paper - 6

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं थी कि नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर, नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों में भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(i) निम्नलिखित कथनों की सत्यता पर विचार कीजिए -

i. जब नैनो-तकनीक अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा।

ii. नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फ़ौज क्षत - विक्षत शव को पलक झपकते ही स्वस्थ इंसान में बदल देगी I

iii. नैनों तकनीक ने शिलाओं को भालों की शक्ल में ढाला I

iv. नैनों तकनीक असीमित शक्तियों से युक्त है I

क) कथन i व iii सही हैं

ख) कथन i सही है

ग) कथन i, ii व iv सही हैं

घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का क्या मत है?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) इसके गंभीर दुष्परिणाम निकल सकते हैं।

ग) ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।

घ) ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से अधिक शक्तिशाली है।

(iii) मानव प्रकृति का नियंत्रक कैसे बन गया?

क) औद्योगिक क्रांति के कारण।

ख) सामाजिक क्रांति के कारण।

ग) तकनीकी क्रांति के कारण।

घ) आर्थिक क्रांति के कारण।

(iv) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

क) तकनीकी जटिलताएँ

ख) परमाणु व अणुओं का महत्व।

ग) नैनो-तकनीक

घ) तकनीकी क्रांति

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A): नैनो तकनीक ने आज हमें एक नई तकनीकी क्रांति के सामने ला कर खड़ा कर दिया है।

कारण (R): इस क्रांति के कारण आज हम पुरानी तकनीकी जटिलताओं के अर्थ को कहीं खो बैठे हैं।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं परन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) कथन (A) असत्य है परन्तु कारण (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से **[4]**

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **एक तुमने ही इस जादू पर विजय प्राप्त की है।** रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए-

क) साधारण वाक्य | ख) संयुक्त वाक्य

ग) सरल वाक्य | घ) मिश्र वाक्य

(ii) संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

क) मिश्र वाक्य का | ख) विशेषण उपवाक्य का

ग) संयुक्त वाक्य का | घ) सरल वाक्य का

(iii) **गिलास नीचे गिरा; टूट गया।** वाक्य संयुक्त वाक्य रूपांतरण होगा-

क) जैसे ही गिलास नीचे गिरा वह टूट गया | ख) गिलास नीचे गिरकर टूट गया

ग) गिलास नीचे गिरते ही टूट गया | घ) गिलास नीचे गिरा और टूट गया

(iv) मैंने एक व्यक्ति देखा। वह व्यक्ति बहुत कमज़ोर था। - दो सरल वाक्यों को एक सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए।

क) जो व्यक्ति मैंने देखा वो बहुत कमज़ोर था। | ख) मैंने एक बहुत कमज़ोर व्यक्ति को देखा।

ग) वह व्यक्ति जो बहुत कमज़ोर था उसे मैंने देखा। | घ) मैंने जिस व्यक्ति को देखा वह बहुत कमज़ोर था।

(v) पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

क) संयुक्त वाक्य | ख) मिश्र वाक्य

ग) सरल वाक्य | घ) क्रिया विशेषण

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

मुँह ढाँककर सोने से बहुत अच्छा है,
कि उठो ज़रा,
कमरे की गर्द को ही झाड़ लो।
शेल्फ में बिखरी किताबों का ढेर,
तनिक चुन दो।
छितरे-छितराए सब तिनकों को फेंको।
खिड़की के उढ़के हुए,
पल्लों को खोलो।
ज़रा हवा ही आए।
सब रोशन कर जाए।
... हाँ, अब ठीक

तनिक आहट से बैठो,
जाने किस क्षण कौन आ जाए।
खुली हुई फिज़ा में,
कोई गीत ही लहरा जाए।
आहट में ऐसे प्रतीक्षातुर देख तुम्हें,
कोई फरिश्ता ही आ जाए।
माँगने से जाने क्या दे जाए।
नहीं तो स्वर्ग से निर्वासित,
किसी अप्सरा को ही,
यहाँ आश्रय दीख पड़े।
खुले हुए द्वार से बड़ी संभावनाएँ हैं, मित्र!
नहीं तो जाने क्या कौन,
दस्तक दे-देकर लौट जाए।
सुनो,
किसी आगत की प्रतीक्षा में बैठना,
मुँह ढाँककर सोने से बहुत बेहतर है।
-- कीर्ति चौधरी

(i) मुँह ढांककर सोने से तो अच्छा है, उठो ज़रा - पंक्ति में निहित अर्थ है / हैं -

i. आस - पास घट रही घटनाओं पर ध्यान दो
ii. जीवन में सदा गतिशीलता रखो
iii. मुँह को ढंककर सोते रहो
iv. किसी की परवाह किए बिना सोते रहो

क) कथन i व iii सही हैं
ख) कथन i व ii सही हैं
ग) कथन i, ii व iii सही हैं
घ) कथन ii व iv सही हैं

(ii) **कमरे की गर्द को ही झाड़ लो** इस पंक्ति द्वारा कवि कहना चाहता है कि

क) कमरे की सफ़ाई ही कर लो
ख) कमरे की धूल पर भी ध्यान दो
ग) कमरे के सौंदर्य को खराब मत करो
घ) कम-से-कम कुछ तो रचनात्मक कार्य कर लो

(iii) खिड़की के उढ़के हुए, पल्लों को खोलो पंक्ति में **खिड़की** का अर्थ है

क) मन की खिड़की
ख) मस्तिष्क में आए विचार
ग) दिल में उठने वाले विचार
घ) हृदय में उठने वाले विचार

(iv) **दस्तक दे-देकर लौट जाए** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक
ख) रूपक

ग) अनुप्रास घ) श्लेष

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): जीवन में आने वाली संभावनाओं का आदर करते हुए अपने मन के खिड़की - दरवाज़े खुले रखने चाहिए।
कथन (R): हमेशा सचेत और गतिशील रहने वाला मनुष्य ही सदा सफल होता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

घ) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

ओ देशवासियों, बैठ न जाओ पत्थर से,
ओ देशवासियों, रोओ मत तुम यों निर्झर से,
दरख्वास्त करें, आओ, कुछ अपने ईश्वर से
वह सुनता है
गमजदों और
रंजीदों की।
जब सारा सरकता-सा लगता जग जीवन-से
अभिषिक्त करें, आओ, अपने को इस प्रण से-
हम कभी न मिटने देंगे भारत के मन से
दुनिया ऊँचे
आदर्शों की,
उम्मीदों की
साधना एक युग-युग अंतर में ठनी रहे
यह भूमि बुद्ध-बापू से सुत की जनी रहे;
प्रार्थना एक युग-युग पृथ्वी पर बनी रहे यह जाति
योगियों, संतों
और शहीदों की।

-- हरिवंशराय बच्चन

(i) कवि देशवासियों को क्या कहना चाहता है?

i. निराशा का त्याग करने को
ii. जड़ता को छोड़ने को
iii. पढ़ने - लिखने को
iv. ऊँचा चढ़ने को

क) कथन iii व iv सही हैं ख) कथन i व ii सही हैं

ग) कथन i व iv सही हैं | घ) कथन ii व iii सही हैं

(ii) कवि किसकी और किससे प्रार्थना की बात कर रहा है?

क) दुःखी लोग और ईश्वर
ख) भगवान और जनता
ग) युवा वर्ग और ब्रिटिश सत्ता
घ) देशवासी और सरकार

(iii) कवि भारतीयों को कौन-सा संकल्प लेने को कहता है?

क) हम भारत को कभी न मिटने देंगे।
ख) जीवन में सार-तत्त्व को बनाए रखेंगे।
ग) जग-जीवन को समरसता से अभिषिक्त करेंगे।
घ) उच्च आदर्श और आशा के महत्त्व को बनाए रखेंगे।

(iv) **यह भूमि बुद्ध-बापू से सुत की जनी रहे** -का भाव है-

क) यह धरती बुद्ध और बापू जैसी है।
ख) यह धरती बुद्ध और बापू को हमेशा याद रखेगी।
ग) इस भूमि पर बुद्ध और बापू ने जन्म लिया।
घ) इस भूमि पर बुद्ध और बापू जैसे लोग जन्म लेते रहें।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): भारत की पावन धरती पर बुद्ध और बापू जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया है।
कथन (R): भारत की धरती योगियों, संतों और शहीदों के जन्म से पावन है।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
ख) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **हिमालय से गंगा निकलती हैं** वाक्य में **गंगा** का पद परिचय बताइए।

क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग
ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग
ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग
घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग

(ii) डोली ने **<u>आपको</u>** बुलाया है। रेखांकित पद के लिए उचित पद परिचय चुनिए।

क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म
ख) प्रथम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

कारक

ग) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

घ) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(iii) यह उपहार **<u>उसे</u>** ही देना। रेखांकित पद का परिचय है-

क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

ग) संज्ञा, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

घ) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(iv) धीरे-धीरे जाओ **<u>और</u>** बाजार से कॉपी लेकर आओ। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए।

क) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, धीरे-धीरे क्रिया की विशेषता

ख) सर्वनाम, एकवचन

ग) समानाधिकरण अविकारी शब्द

घ) क्रिया विशेषण, धीरे-धीरे क्रिया की विशेषता

(v) किसी भी प्रकार की **<u>धृष्टता</u>** उसे सत्य से विचलित नहीं कर सकी। वाक्य में रेखांकित पद है-

क) जातिवाचक संज्ञा

ख) भाववाचक संज्ञा

ग) क्रिया-विशेषण

घ) विशेषण

5. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) दादाजी के द्वारा हम सबको पुस्तकें दी गईं। कर्तृवाच्य में बदलिए।

क) दादाजी के द्वारा हमें पुस्तकें दी गईं।

ख) दादाजी द्वारा हम सबको पुस्तकें दे दी गई थीं।

ग) दादाजी ने हम सबको पुस्तकें दीं।

घ) दादाजी द्वारा हम सभी के लिए पुस्तकें दी गईं।

(ii) निम्नलिखित में कर्तृवाच्य का एक वाक्य है-

क) इनमें से कोई नहीं

ख) बालिका द्वारा सोया जाएगा।

ग) क्या वे सोएँगे?

घ) बालिका सो रही है।

(iii) **ईश्वर हमारी सहायता करता है।** वाक्य में वाच्य है-

क) इनमें से कोई नहीं　　　　ख) भाववाच्य

ग) कर्तृवाच्य　　　　घ) कर्मवाच्य

(iv) **अमिता द्वारा कविता सुनाई गई।** इस वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए-

क) अमिता द्वारा कविता सुनाया।　　　　ख) अमिता ने कविता सुनाया।

ग) अमिता ने कविता सुनाई।　　　　घ) अमिता से कविता सुनया गया।

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा भाववाच्य का सही विकल्प नहीं है?

i. राहुल से पत्र लिखा जाता है।

ii. उससे अब रहा नहीं गया।

iii. पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

iv. मीना से भागा नहीं जाता।

क) विकल्प (iv)　　　　ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (i)　　　　घ) विकल्प (iii)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

पानवाले के लिए यह एक मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए - काँचवाला - यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ़.....!

(i) पानवाले के लिए क्या बात मज़ेदार थी?

क) मूर्ति　　　　ख) काँच का चश्मा

ग) मूर्ति पर चश्मा न होना　　　　घ) पत्थर का चश्मा

(ii) हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक 'बेचारा' क्यों था?

क) क्योंकि उसने पत्थर का चश्मा बनाया　　　　ख) क्योंकि चश्मा टूट गया था

ग) क्योंकि वह मूर्ति पर चश्मा नहीं लगा पाया था　　　　घ) क्योंकि उसने मूर्ति अच्छी नहीं बनाई थी

(iii) हालदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने क्या कारण नहीं बताया?

क) मूर्ति का अच्छा नहीं होना　　　　ख) काँच का चश्मा

ग) बारीकी के चक्कर में चश्मा टूट जाना

घ) पत्थर का चश्मा बनाना

(iv) मूर्ति किसने बनाई थी?

i. हालदार साहब ने

ii. अध्यापक ने

iii. बच्चे ने

iv. पानवाले ने

क) विकल्प (ii)

ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (iii)

घ) विकल्प (i)

(v) हालदार साहब के लिए चश्मे वाली बात कैसी थी?

क) मजेदार

ख) हंसने वाली

ग) चकित और द्रवित

घ) दुखी करने वाली

7. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-
इस सोते संसार बीच, जग कर सजकर रजनी बाले।

क) अनुप्रास अलंकार

ख) रूपक अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार

घ) उपमा अलंकार

(ii) **अरहर सनई की सोने की, कंकरिया है शोभाशाली।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) मानवीकरण अलंकार

ख) रूपक अलंकार

ग) यमक अलंकार

घ) अनुप्रास अलंकार

(iii) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-
मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोई, जा तन की झाईं परत, स्याम हरित दुति होई।

क) उत्प्रेक्षा

ख) श्लेष

ग) अनुप्रास

घ) प्रतीप

(iv) श्लेष किस अलंकार के अंतर्गत आता है ?

क) उभयालंकार

ख) अर्थालंकार

ग) मानवीकरण अलंकार

घ) शब्दालंकार

(v) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-

मुदित महीपति मंदिर आए।
सेवक सचिव सुमंत बुलाए।

क) अतिशयोक्ति अलंकार
ख) यमक अलंकार
ग) अनुप्रास अलंकार
घ) श्लेष अलंकार

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।
देखि कुठारु सरासन बाना। मछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहु सहों रिस रोकी॥
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥

(i) **कुम्हड़बतिया** का उदाहरण क्यों दिया गया है?

क) काशीफल को फल के समान कमजोर समझ रहे हैं।
ख) कुम्हड़े या काशीफल का फल सहजता से नहीं टूट जाता है।
ग) इनमें से कोई नहीं।
घ) काशीफल बहुत ही कमजोर होता है।

(ii) लक्ष्मण ने पशुराम की किस चेष्टा पर क्यों व्यंग्य किया?

क) उन्हें बार-बार नरक का भोगी बनने का भय दिखाकर डराने की
ख) उन्हें बार-बार धनुष बाण दिखाकर डराने की
ग) उन्हें बार-बार तलवार दिखाकर डराने की
घ) उन्हें बार-बार फरसा दिखाकर डराने की

(iii) ब्राह्मण से युद्ध करना लक्ष्मण क्यों उचित नहीं मानते?

क) ब्राह्मणों से पराजित होने पर अपयश मिलता है तथा परिवार की परम्परा भी नहीं है
ख) ब्राह्मणों का वध करने से पुण्य मिलता है
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) ब्राह्मणों से युद्ध करना घाटे का सौदा नहीं है

(iv) परशुराम को मारने पर अपयश और पाप की संभावना लक्ष्मण को क्यों थी?

क) कुल में ब्राह्मण को अवध्य माना जाता था
ख) हारने पर अपयश के भागी नहीं होते थे

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) ब्राह्मण को मारने पर पाप नहीं लगता था

(v) क्षत्रिय कुल में किन-किन पर वीरता नहीं दिखाई जाती?

क) ब्राह्मण, भक्त, बैल और देवाताओं पर

ख) गाय, भक्त, ब्राह्मण और देवताओं पर

ग) भैंस, गाय, भक्त और ब्राह्मण पर

घ) बैल, गाय, ब्राह्मण और देवाताओं पर

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- [2]

(i) **उत्साह** कविता में **धाराधर** शब्द का प्रयोग कवि ने किसलिए किया है?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) वर्षा के लिए

ग) सभी लोगों के लिए

घ) बादल के लिए

(ii) हिचक से क्या तात्पर्य है?

क) संकोच

ख) लज्जा एवं संकोच

ग) प्यास

घ) हिचकिचाहट

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- [2]

(i) **एक कहानी यह भी** पाठ के अनुसार पिताजी के साम्राज्य का फैलाव था-

क) मित्रों और परिचितों तक

ख) ऊपरी मंजिल में स्थित उनके अध्ययन-कक्ष तक

ग) अपने कर्मचारियों तक

घ) दो मंजिले मकान तक

(ii) **लखनवी अंदाज़** पाठ अनुसार लेखक सेकंड क्लास में यात्रा इसलिए करना चाहता था, क्योंकि-

क) सेकंड क्लास में भीड़ अधिक होती है

ख) उनके पास पैसे कम थे

ग) सभी विकल्प सही हैं

घ) वे एकांत में बैठकर नई कहानी के विषय में सोचना चाहते थे

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- [6]

(i) गोपियों का मन किसने चलते समय चुरा लिया था? अब वे क्या चाहती हैं?

(ii) **संगतकार** कविता में कवि ने आम लोगों से क्या अपेक्षा की है?

(iii) **आत्मकथ्य** काव्य में कवि की दुर्बलताओं को जानकर लोगों को क्या प्राप्त होगा?

(iv) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता में 'शेफालिका के फूल' झरने का क्या आशय है और ऐसा क्यों हुआ?

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) काशी में अभी-भी शेष बचा हुआ है? नौबतखाने में इबादत पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ii) **संस्कृति** पाठ हमें क्या प्रेरणा देता है?

(iii) **एक कहानी यह भी** पाठ के आधार पर लेखिका के पिताजी के सकारात्मक और नकारात्मक गुणों का उल्लेख कीजिए।

(iv) पुत्रवधू के पुनर्विवाह के सम्बन्ध में अन्तिम परिणाम क्या निकला? 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **[8]**

(i) हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह से हो रहा है।

(ii) देश की सीमा पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं? उनके प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए?

(iii) 'माता का आँचल' के आधार पर लेखक के पिताजी की विशेषताएँ लिखिए।

14. खेल का सामान बेचने वाली कंपनी 'स्पोर्ट्स इंटरनेशनल' से आपने जो सामान मँगवाया था, वह घटिया स्तर का और महँगा भेजा गया। कंपनी के प्रबंध निदेशक को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके छोटे भाई ने आठवीं कक्षा की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है। उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

15. साथी नामक स्वयंसेवी संस्था जो आलमबाग, लखनऊ, उ० प्र० में स्थित है को कुछ स्वयंसेवियों की जरूरत है, जिन्हें निकटवर्ती बस्तियों एवं गाँवों में लोगों के बीच एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस संस्था के प्रबंधक को एक स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने निकट के डिपो-प्रबंधक dlwb@delhigovt.nic.in को नई बस सेवा शुरू करने के लिए एक ईमेल लिखिए।

16. आधुनिक तकनीक से तैयार **घड़ी** का विज्ञापन तैयार कीजिये। **[4]**

अथवा

भाई का बहन को **रक्षाबंधन** पर्व पर बधाई संदेश लिखिए।

17. **हमारी मेट्रो** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- भारत की प्रगति का नमूना
- लोकप्रियता के कारण
- मेट्रो का विस्तार

अथवा

खेल और स्वास्थ्य विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- खेलों की उपयोगिता
- खेल और स्वास्थ्य का संबंध
- हमारा कर्त्तव्य

अथवा

कम्प्यूटर : आज के युग की जरूरत विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

Solution

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं थी कि नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वज़ूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर, नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों में भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(i) **(ग)** कथन i, ii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iv सही हैं

(ii) **(ग)** ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।
व्याख्या: ये मिस्त्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त है।

(iii) **(क)** औद्योगिक क्रांति के कारण।
व्याख्या: औद्योगिक क्रांति के कारण।

(iv) **(ग)** नैनो-तकनीक
व्याख्या: नैनो-तकनीक

(v) **(क)** कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** सरल वाक्य

व्याख्या: सरल वाक्य

(ii) **(क)** मिश्र वाक्य का

व्याख्या: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

(iii) **(घ)** गिलास नीचे गिरा और टूट गया

व्याख्या: गिलास नीचे गिरा और टूट गया

(iv) **(ख)** मैंने एक बहुत कमज़ोर व्यक्ति को देखा।

व्याख्या: दो अलग - अलग सरल वाक्यों को मिलाकर उसमें एक कर्ता और एक क्रिया करने के कारण यही उपयुक्त उदाहरण होगा।

(v) **(क)** संयुक्त वाक्य

व्याख्या: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मुँह ढाँककर सोने से बहुत अच्छा है,
कि उठो ज़रा,
कमरे की गर्द को ही झाड़ लो।
शेल्फ में बिखरी किताबों का ढेर,
तनिक चुन दो।
छितरे-छितराए सब तिनकों को फेंको।
खिड़की के उढ़के हुए,
पल्लों को खोलो।
ज़रा हवा ही आए।
सब रोशन कर जाए।
... हाँ, अब ठीक
तनिक आहट से बैठो,
जाने किस क्षण कौन आ जाए।
खुली हुई फिज़ा में,
कोई गीत ही लहरा जाए।
आहट में ऐसे प्रतीक्षातुर देख तुम्हें,
कोई फरिश्ता ही आ जाए।
माँगने से जाने क्या दे जाए।
नहीं तो स्वर्ग से निर्वासित,
किसी अप्सरा को ही,
यहाँ आश्रय दीख पड़े।
खुले हुए द्वार से बड़ी संभावनाएँ हैं, मित्र!
नहीं तो जाने क्या कौन,
दस्तक दे-देकर लौट जाए।
सुनो,
किसी आगत की प्रतीक्षा में बैठना,
मुँह ढाँककर सोने से बहुत बेहतर है।
-- कीर्ति चौधरी

(i) **(ख)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं

(ii) **(घ)** कम-से-कम कुछ तो रचनात्मक कार्य कर लो
व्याख्या: कवि कहता है कि स्वयं को गतिशील बनाए रखने के लिए स्वयं को किसी-न-किसी रचनात्मक क्रिया में संलग्न रखो।

(iii) **(क)** मन की खिड़की
व्याख्या: प्रस्तुत पंक्ति से रचनाकार का आशय मन के दरवाज़ों को खोलने से है, जिससे उसके भीतर स्वच्छ वायु एवं प्रकाश का आगमन हो सके और व्यक्ति अधिक ऊर्जावान होकर समांज में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके।

(iv) **(ग)** अनुप्रास
व्याख्या: प्रस्तुत काव्य-पंक्ति में 'द' वर्ण की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।

(v) **(क)** कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

ओ देशवासियों, बैठ न जाओ पत्थर से,
ओ देशवासियों, रोओ मत तुम यों निर्झर से,
दरख्वास्त करें, आओ, कुछ अपने ईश्वर से
वह सुनता है
गमजदों और
रंजीदों की।
जब सारा सरकता-सा लगता जग जीवन-से
अभिषिक्त करें, आओ, अपने को इस प्रण से-
हम कभी न मिटने देंगे भारत के मन से
दुनिया ऊँचे
आदर्शों की,
उम्मीदों की
साधना एक युग-युग अंतर में ठनी रहे
यह भूमि बुद्ध-बापू से सुत की जनी रहे;
प्रार्थना एक युग-युग पृथ्वी पर बनी रहे यह जाति
योगियों, संतों
और शहीदों की।
-- हरिवंशराय बच्चन

(i) **(ख)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं

(ii) **(क)** दुःखी लोग और ईश्वर
व्याख्या: दुःखी लोग और ईश्वर

(iii) **(घ)** उच्च आदर्श और आशा के महत्त्व को बनाए रखेंगे।
व्याख्या: उच्च आदर्श और आशा के महत्त्व को बनाए रखेंगे।

(iv) **(घ)** इस भूमि पर बुद्ध और बापू जैसे लोग जन्म लेते रहें।
व्याख्या: इस भूमि पर बुद्ध और बापू जैसे लोग जन्म लेते रहें।
(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग
व्याख्या: व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग
(ii) **(क)** मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
व्याख्या: तुम, आप, आपको मध्य पुरुष है।
(iii) **(क)** सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।
व्याख्या: सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।
(iv) **(ग)** समानाधिकरण अविकारी शब्द
व्याख्या: समानाधिकरण अविकारी शब्द
(v) **(ख)** भाववाचक संज्ञा
व्याख्या: भाववाचक संज्ञा

5. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** दादाजी ने हम सबको पुस्तकें दीं।
व्याख्या: दादाजी ने हम सबको पुस्तकें दीं।
(ii) **(घ)** बालिका सो रही है।
व्याख्या: बालिका सो रही है।
(iii) **(ग)** कर्तृवाच्य
व्याख्या: कर्तृवाच्य
(iv) **(ग)** अमिता ने कविता सुनाई।
व्याख्या: अमिता ने कविता सुनाई।
(v) **(घ)** विकल्प (iii)
व्याख्या: पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
पानवाले के लिए यह एक मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए - काँचवाला - यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ़.....!

(i) **(ग)** मूर्ति पर चश्मा न होना
व्याख्या: मूर्ति पर चश्मा न होना

(ii) **(ग)** क्योंकि वह मूर्ति पर चश्मा नहीं लगा पाया था
व्याख्या: क्योंकि वह मूर्ति पर चश्मा नहीं लगा पाया था
(iii)**(क)** मूर्ति का अच्छा नहीं होना
व्याख्या: मूर्ति का अच्छा नहीं होना
(iv)**(क)** विकल्प (ii)
व्याख्या: विकल्प (ii)
(v) **(ग)** चकित और द्रवित
व्याख्या: चकित और द्रवित

7. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(ii) **(क)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(iii)**(ख)** श्लेष
व्याख्या: श्लेष
(iv)**(घ)** शब्दालंकार
व्याख्या: श्लेष शब्दालंकार है , क्योंकि इसमें शब्दों के माध्यम से चमत्कार उत्पन्न होता है ।
उदाहरण :- " रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून, पानी गए न ऊबरै, मोती मानुष चून "
(v) **(ग)** अनुप्रास अलंकार
व्याख्या: अनुप्रास अलंकार

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।
देखि कुठारु सरासन बाना। मछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहु सहों रिस रोकी॥
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥

(i) **(क)** काशीफल को फल के समान कमजोर समझ रहे हैं।
व्याख्या: काशीफल को फल के समान कमजोर समझ रहे हैं।
(ii) **(घ)** उन्हें बार-बार फरसा दिखाकर डराने की
व्याख्या: उन्हें बार-बार फरसा दिखाकर डराने की
(iii)**(क)** ब्राह्मणों से पराजित होने पर अपयश मिलता है तथा परिवार की परम्परा भी नहीं है
व्याख्या: ब्राह्मणों से पराजित होने पर अपयश मिलता है तथा परिवार की परम्परा भी नहीं है
(iv)**(क)** कुल में ब्राह्मण को अवध्य माना जाता था
व्याख्या: कुल में ब्राह्मण को अवध्य माना जाता था
(v) **(ख)** गाय, भक्त, ब्राह्मण और देवताओं पर
व्याख्या: गाय, भक्त, ब्राह्मण और देवताओं पर

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** बादल के लिए
व्याख्या: बादल के लिए
(ii) **(क)** संकोच
व्याख्या: संकोच

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ख)** ऊपरी मंजिल में स्थित उनके अध्ययन-कक्ष तक
व्याख्या: ऊपरी मंजिल में स्थित उनके अध्ययन-कक्ष तक
(ii) **(घ)** वे एकांत में बैठकर नई कहानी के विषय में सोचना चाहते थे
व्याख्या: लखनवी अंदाज़ पाठ अनुसार लेखक सेकंड क्लास में यात्रा इसलिए करना चाहता था क्योंकि वे एकांत में बैठकर नई कहानी के विषय में सोचना चाहते थे।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) गोपियों का मन श्रीकृष्ण ने ब्रज से चलते समय चुरा लिया था। उनका मन उनके वश में नहीं रहा क्योंकि उनका मन तो श्री कृष्ण चुरा कर मथुरा ले गए हैं और अब भी अपने मन और चोरी करने वाले दोनों की याद में जल रही है। अब उन्हें कृष्ण से बहुत ही घनिष्ट प्रेम हो गया।
(ii) कवि के अनुसार संगतकार मुख्य गायक का उसके गायन में साथ देता है परन्तु वह अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से अधिक ऊँचें स्वर में नहीं जाने देता। इस तरह वह मुख्य गायक की महत्ता को कम नहीं होने देता है। वह कितना भी उत्तम हो परन्तु स्वयं को मुख्य गायक से कम ही रखता है। कवि के अनुसार यह उसकी असफलता का प्रमाण नहीं अपितु उसकी मनुष्यता का प्रमाण है। वह स्वयं को न आगे बढ़ाकर दूसरों को बढ़ने का मार्ग देता है। इसमें स्वार्थ का भाव निहित नहीं होता है। कवि सभी से यह अपेक्षा रखते हैं कि उनके इस त्याग और निस्वार्थ भाव को उनकी ताकत समझा जाना चाहिए न कि उनकी कमज़ोरी।
(iii) दूसरे लोग व्यक्ति की कमज़ोरियाँ इसलिए भी जानना चाहते हैं कि उसका उपहास कर आत्मसुख प्राप्त कर सकें। साथ ही अपनी दुर्बल भावनाओं को छिपाने के लिए दूसरे की दुर्बल भावनाओं को लोगों के सामने प्रकट कराना चाहते हैं। इस प्रकार लोगों को आत्म-संतोष मिलेगा कि हमसे भी अधिक हास्यास्पद कोई है।
(iv) इसका आशय बच्चे की आँखों से आँसू टपकने से है। कवि ने बच्चे के आँसुओं की तुलना शेफालिका के कोमल फूलों से की है। जिस प्रकार शेफालिका के फूल हल्के से स्पर्श से ही झर जाते हैं उसी प्रकार कवि की कठोर हथेलियों के स्पर्श से ही बच्चे के आँसू बहने लगे।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) काशी से मलाई बर्फ, कचौड़ी, अदब और आदर की संस्कृति के जाने के बाद भी अभी कुछ शेष है जो केवल काशी में है। काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती है और इसी की थापो पर सोती है। काशी में बिस्मिल्ला खाँ के रूप में संगीत और सुर की तमीज सिखाने वाला हीरा रहा है।

(ii) संस्कृति पाठ हमें प्रेरणा देता है कि इस परिवर्तनशील संसार में सब कुछ परिवर्तित हो रहा है। धारणाएँ और सोच में भी निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। इस क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकडे रहना उचित नहीं है। उन्हीं बातों को मानना उचित है जो मानव कल्याण के प्रति मनुष्य को प्रेरित करती हैं वही मानव संस्कृति है।

(iii) लेखिका के पिताजी के कभी अच्छे कभी बुरे व्यवहार ने उनके जीवन को बहुत हद तक प्रभावित किया। उनके पिता रंग के कारण उनकी उपेक्षा करते थे। इसका परिणाम यह हुआ कि लेखिका के मन में आत्मविश्वास की कमी हो गई।

जहाँ एक ओर उनके पिताजी में नाकारात्मक गुण थे वहीं कुछ साकारात्मक गुण भी थे जिसका प्रभाव लेखिका के व्यक्तित्व पर पड़ा। आगे चलकर पिता द्वारा राजनैतिक चर्चाओं में बिठाने के कारण उनको प्रोत्साहन मिला।

(iv) पुत्रवधू वृद्ध भगत की सेवा करते हुए अपना वैधव्य बिताना चाहती थी परन्तु भगत उसे पुनर्विवाह करने का आदेश देते है और ऐसा न करने पर स्वयं घर छोड़ने की कहने लगते हैं । फलस्वरूपन न चाहते हुए भी उसे पुनर्विवाह के लिए राजी होना पड़ा|

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) हिरोशिमा तो विज्ञान के दुरुपयोग का ज्वलंत उदाहरण है ही पर हम मनुष्यों द्वारा विज्ञान का और भी दुरुपयोग किया जा रहा है। जैसे -

i. विज्ञान ने यात्रा को सुगम बनाने के लिए हवाई जहाज़, गाड़ियों आदि का निर्माण किया परन्तु हमने इनसे अपने ही वातावरण को प्रदूषित कर दिया है।
ii. इस विज्ञान की देन के द्वारा आज हम अंगप्रत्यारोपण कर सकते हैं। परन्तु आज इस देन का दुरुपयोग कर हम मानव अंगों का व्यापार करने लगे हैं।
iii. विज्ञान के दुरुपयोग से भ्रूण हत्याएँ बढ़ रही है ।
iv. विज्ञान ने कंप्यूटर का आविष्कार किया उसके पश्चात् उसने इंटरनेट का आविष्कार किया ये उसने मानव के कार्यों के बोझ को कम करने के लिए किया। हम मनुष्यों ने इन दोनों का दुरुपयोग कर वायरस व साइबर क्राइम को जन्म दिया है।
v. आज हर देश परमाणु अस्त्रों को बनाने में लगा हुआ है जो आने वाले भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

(ii) देश की सीमा पर बैठे सैनिक मुख्यतः सियाचिन ग्लैशियर में तैनाती होने पर वहाँ की विपरीत मौसम वाली चुनौतीपूर्ण कठिनाइयों से जूझते हैं। इस प्रकार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने स्थान पर डटे रहते हैं और हर एक परिस्थिति में देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। वे देश की रक्षा करते हैं और इसी कारण से देश के भीतर हम पूर्णतः सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर पाते हैं।

इसलिए उनके प्रति हमारा काफी दायित्व बनता हैं। जिस प्रकार से वे हमारे देश एवं हमारी सुरक्षा में तत्पर रहते हैं उसी प्रकार से हमें भी उनकी मदद के लिए तत्पर रहना चाहिए और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को ईमानदारी एवं तत्परता से निभाना चाहिए।

(iii) 'माता का आँचल' के आधार पर लेखक के पिताजी की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i.उनकी दिनचर्या को देखकर कहा जा सकता है कि वे धार्मिक प्रवृत्ति के थे|

ii.वे सुबह जल्दी उठकर अपने बेटे को भी नहलाकर पूजा में बैठ जाते|
iii.उनका अपने बच्चे से अत्यधिक जुड़ाव था|
iv.अपने पुत्र के प्रत्येक कार्य में वे सहयोग देते|
v.अपने पुत्र के प्रत्येक खेल में वे शामिल रहते|

14. परीक्षा भवन
नई दिल्ली-110077
29 , अप्रैल, 20XX
प्रबंध निदेशक
स्पोर्ट्स इंटरनेशनल
नई दिल्ली-110077
विषय-माल की गुणवत्ता व मूल्य के सन्दर्भ में
महोदय
मुझे बड़े दुःख के साथ आपको यह बताना पड़ रहा है कि पिछले दिनों हमने आपसे जो खेल का सामान दिनांक 20 मार्च, 20XX को मंगवाया था, वह घटिया स्तर का व महँगा है। आपने जिस कंपनी का माल भेजा है उसकी न तो बाहरी दिखावट प्रभावी है न ही भीतरी मजबूती है।
हम इस माल से संतुष्ट नहीं है। ग्राहकों द्वारा मिलने वाली लगातार शिकायतों के कारण हम यह माल आपको वापस भेज रहे हैं। आपने जिस मूल्य पर हमें माल भेजा है। उस मूल्य से भी कम पर यह माल हमें दूसरे डीलर से मिल रहा है। ऐसी स्थिति में कंपनी के प्रबंध निदेशक यदि आप चाहते है कि हम आपसे ही माल मँगवाते रहे तो आप माल व मूल्य दोनों ठीक करके भेजें।
धन्यवाद
भवदीय
रोहित वर्मा

अथवा

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
28 फरवरी, 2019
प्रिय अनुज,
सस्नेह आशीष।
कल शाम को पिता जी का भेजा पत्र मिला। घर पर सभी सकुशल हैं, यह जानकर बहुत खुशी हुई। तुमने जोनल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है, यह पढ़कर मैं खुशी से उछल पड़ा।
अनुज, तुम्हारा शारीरिक कद छोटा अवश्य है पर तुम्हारी यह सफलता काफी बड़ी है। जोनल स्तर पर अनेक विद्यालयों के बहुत से छात्रों के बीच 94% अंक प्राप्त कर प्रथम आना सचमुच बड़ी उपलब्धि है। इस सफलता से तुम बहुत खुश हुए होगे, मैं भी बहुत खुश हुआ हूँ। यह सब ईश्वर की कृपा, माता-पिता का आशीर्वाद और तुम्हारी कड़ी मेहनत का फल है। मेहनत का फल सुखदायी होता है, इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है? मैं इस सफलता पर बार-बार बधाई देता हूँ। मेरी कामना है कि सफलता के नित नए सोपान चढ़ो। अब तो तुमसे माता-पिता की अपेक्षाएँ भी बढ़ गई होंगी, इसलिए आगे भी ऐसा ही परिश्रम करना और विद्यालय तथा माता-पिता का नाम ऊँचा करना। सफलता के लिए एक बार पुनः बधाई।
पूज्या माता जी और पिता जी को चरण स्पर्श तथा सुवर्णा को स्नेह। पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अग्रज,
पवन कुमार

15. प्रति,
प्रबंधक महोदय
'साथी' स्वयंसेवी संस्था
आलमबाग, लखनऊ (उ० प्र०)।
विषय-स्वयंसेवी की भर्ती के संबंध में।
मान्यवर,
दिनांक 05 मई, 2019 को लखनऊ से प्रकाशित 'अमर उजाला' समाचार-पत्र में छपे विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि आपकी संस्था को एड्स के बारे जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के लिए स्वयं सेवियों की जरूरत है। मैंने एड्स के विषय में बहुत गहन अध्ययन किया है और इसके बारे में मुझे अत्याधिक जानकारी भी है। इसलिए इस संबंध में अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा है, जिसका संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण निम्नलिखित है-
नाम - कुलवन्त सिंह
पिता का नाम - श्री धीरज सिंह
जन्मतिथि - 19 मार्च, 1991
पता - ग्राम-रामपुर, पो०-ऊँचहरा, जनपद-उन्नाव (उ० प्र०)।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	मा० शि० प० इलाहाबाद उ० प्र०	2007	63%
बारहवीं कक्षा	मा० शि० प० इलाहाबाद उ० प्र०	2009	72%
बी.ए.	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	2012	66%
लोकसंपर्क में द्विवर्षीय डिप्लोमा	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	2014	प्रथम श्रेणी

अनुभव- 'सहयोग' संस्था में एक वर्ष का कार्यानुभव।
आशा है कि आप सेवा का अवसर प्रदान कर कृतार्थ करेंगे।
सधन्यवाद
प्रार्थी
कुलवन्त सिंह
दिनांक 08 फरवरी, 2019
संलग्न- शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: dlwb@delhigovt.nic.in
CC ...
BCC ...
विषय - नई बस सेवा शुरू करने के संबंध में
महोदय,
मैं पालम कॉलोनी निकट राज नगर का निवासी हूँ। यह क्षेत्र आउटर रोड से डेढ़-दो किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ से निकटतम बस स्टैंड भी इतनी ही दूर है। इस दूरी का नाजायज़ फायदा रिक्शावाले तथा आटोवाले उठाते हैं।
आप हज़ारो व्यक्तियों के हित को ध्यान में रखते हुए पालम कॉलोनी से बस अड्डा होते हुए केंद्रीय सचिवालय तक के लिए नई बस सेवा आरंभ करने की कृपा करें ताकि यहाँ के निवासियों एवं कर्मचारियों का समय, श्रम तथा धन बच सके। हम क्षेत्रवाले आपके आभारी होंगे।
पवन

रोलेक्स की घड़ियाँ

प्रथम १००० क्रेताओं को १०% की विशेष छूट !

जानी-मानी प्रतिष्ठित घड़ी निर्माता कम्पनी पेश करती है आधुनिक तकनीक से लैश, समय ठीक करने और सेल बदलने के झंझट से मुक्ति । जो शरीर के तापमान से स्वतः चालित होती हैं। ये स्वतः ही समय और दिनांक ठीक करने में सक्षम हैं। बारिश में भीगने या पानी में गिरने पर भी खराब होने का कोई भी डर नहीं। दिखने में आकर्षक और वाज़िब दाम ।

पता
२५/३ गौरव मार्किट
वैशाली नगर ,जयपुर
16. दूरभाष- ९००१२५####

अथवा

दिनांक 11.05.2020
प्रात : 07:00 बजे

प्रिय बहन,
यूँ तो बहन का प्यार किसी दुआ से कम नहीं होता। वे चाहे पास रहें या दूर लेकिन उनका प्यार कभी कम नहीं होता बल्कि रोली-चावल और कलाई पर बंधी राखी उस रिश्ते को और मजबूत करती जाती है। रक्षाबंधन के अवसर पर तुमसे हमेशा साथ देने का वादा करता हूँ। रक्षाबंधन की ढेरों शुभकामनाएँ।

तुम्हारा भाई गोविंद

17. महानगरों की बढ़ती भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था में क्रांति लाने का श्रेय मेट्रो रेल सेवा को है। मैट्रो रेल यातायात की अत्याधुनिक सुविधा है। यह लाखों लोगों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आज मेट्रो में यात्रा करते समय एक सुखद अनुभूति होती है। ऐसा महसूस होता है कि यह हमारे घर हमारी मेट्रो है। महानगरों में जनसंख्या की बहुलता को देखते हुए मेट्रो ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। आज इस मेट्रो रेल का विस्तार केवल दिल्ली तक ही सीमित न रहकर दिल्ली के बाहर अन्य राज्यों के प्रमुख महानगरों तक हो चुका है। यह अपने आप में भारत की प्रगति और मेट्रो की लोकप्रियता का नमूना है। सबसे पहली मेट्रो रेल योजना की शुरुआत 24 दिसम्बर, 2002 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी के द्वारा मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर की गई। मेट्रो के लाभ और विस्तार से सन् 2005 के अंत तक दिल्ली यातायात का चेहरा पूरी तरह बदल गया। दिल्ली के उपराज्यपाल के अनुसार दिल्ली मेट्रो ने सन् 2021 तक 245 किमी. लम्बी मेट्रो रेल लाइनें बिछाने का मास्टर प्लान तैयार किया है। इस योजना के पूरा होने के बाद कोलकाता के बाद दिल्ली ऐसा शहर हो जाएगा जहाँ न सिर्फ खंभों पर बल्कि जमीन के नीचे सुरंगों में मेट्रो रेल चलती दिखेंगी। इसके साथ ही जयपुर, आगरा, लखनऊ, मुंबई आदि महानगरों को भी मेट्रो रेल से सँवारा जा रहा है। हमारी अपनी मेट्रो द्वारा 21 वीं सदी में भारत को विश्व स्तर का पब्लिक सिस्टम उपलब्ध हो रहा है। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है।

अथवा

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। बच्चों में स्वस्थ मन, अनुशासित जीवन, स्वस्थ शारीरिक विकास, सदाचार से युक्त उत्तम चरित्र एवं नैतिक मूल्यों का विकास खेल के मैदान में ही किया जा सकता है। खेलों से बच्चे के व्यक्तित्व का विकास भी होता है तथा वे अनुशासन प्रिय भी बनते हैं और उनमें टीम-भावना का भी विकास होता है। यही भावना हमें दूसरों के साथ सामंजस्य रखना तथा कठिनाइयों एवं विपत्तियों को झेलना सिखाती है इसीलिए स्वामी विवेकानंद ने अपने देश के नवयुवकों से कहा था- "मेरे नवयुवक मित्रों! बलवान बनो। तुमको मेरी सलाह है, गीता के अभ्यास की अपेक्षा फुटबॉल खेलने के द्वारा तुम स्वर्ग के अधिक निकट पहुँच जाओगे। इस कथन से स्पष्ट है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास सम्भव है।

शरीर को स्वस्थ तथा मज़बूत बनाने के लिए खेल अनिवार्य है। मनोवैज्ञानिकों का मत है कि मनुष्य की खेलों में रुचि स्वाभाविक है। इसी कारण बच्चे खोलों में अधिक रुचि लेते हैं। **पी. साइरन** ने कहा है- "अच्छा स्वास्थ्य एवं अच्छी समझ जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं।" खेलने से शरीर को बल, माँसपेशियों को उभार, भूख को तीव्रता, आलस्यहीनता तथा मलादि को शुद्धता प्राप्त होती है। खेलने से मनुष्य में संघर्ष करने की आदत आती है। जीवन की जय-पराजय को आनन्दपूर्ण ढंग से लेने की महत्त्वपूर्ण आदत खेल खेलने से ही आती है। इंग्लैंड वालों का कथन है- "विद्यार्थी जीवन में खेल की भावना से प्रशिक्षित होकर ही 'एटन' के मैदान में अंग्रेजों ने नेपोलियन को 'वाटरलू' के युद्ध में पराजित किया था।" इससे जीवन में खेलों की महत्ता स्पष्ट हो जाती है। खेल हमारा भरपूर मनोरंजन करते हैं। खिलाड़ी हो अथवा खेल-प्रेमी, दोनों को खेल के मैदान में एक अपूर्व आनन्द मिलता है, अतः हमारा कर्तव्य है, कि हम खेलों को बढ़ावा दें, जिससे बच्चों का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहे।

अथवा

वर्तमान युग कम्प्यूटर का युग है। आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाईअड्डे, डाकखाने, बड़े-बड़े उद्योग, कारखाने, व्यवसाय, हिसाब-किताब, रुपये गिनने की मशीनें तक कम्प्यूटरीकृत हो गई हैं। आने वाला समय इनके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है। आज मनुष्य-जीवन जटिल हो गया है। व्यक्ति के सम्पर्क बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहे हैं; गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, साधन बढ़ रहे हैं। परिणामस्वरूप सब जगह भागदौड़ और आपाधापी चल रही है। इस 'पागल गति' को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है। कम्प्यूटर एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है, जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक-भूमिका हो, या लाखों-करोड़ों-अरबों की लम्बी-लम्बी गणनाएँ, कम्प्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है।

कम्प्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म, घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध हो जाती है। एक समय था, जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुम्ब बना दिया है। कम्प्यूटर ने तो मानो उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। इस प्रकार कम्प्यूटर ने मानव-जीवन को सुविधा, सरलता सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है।